श्री धाम की आठ प्रहर की लीला

विडिओ : https://youtu.be/iMIRfn6aSfQ?si=7FgWjM8LmK9BStJC

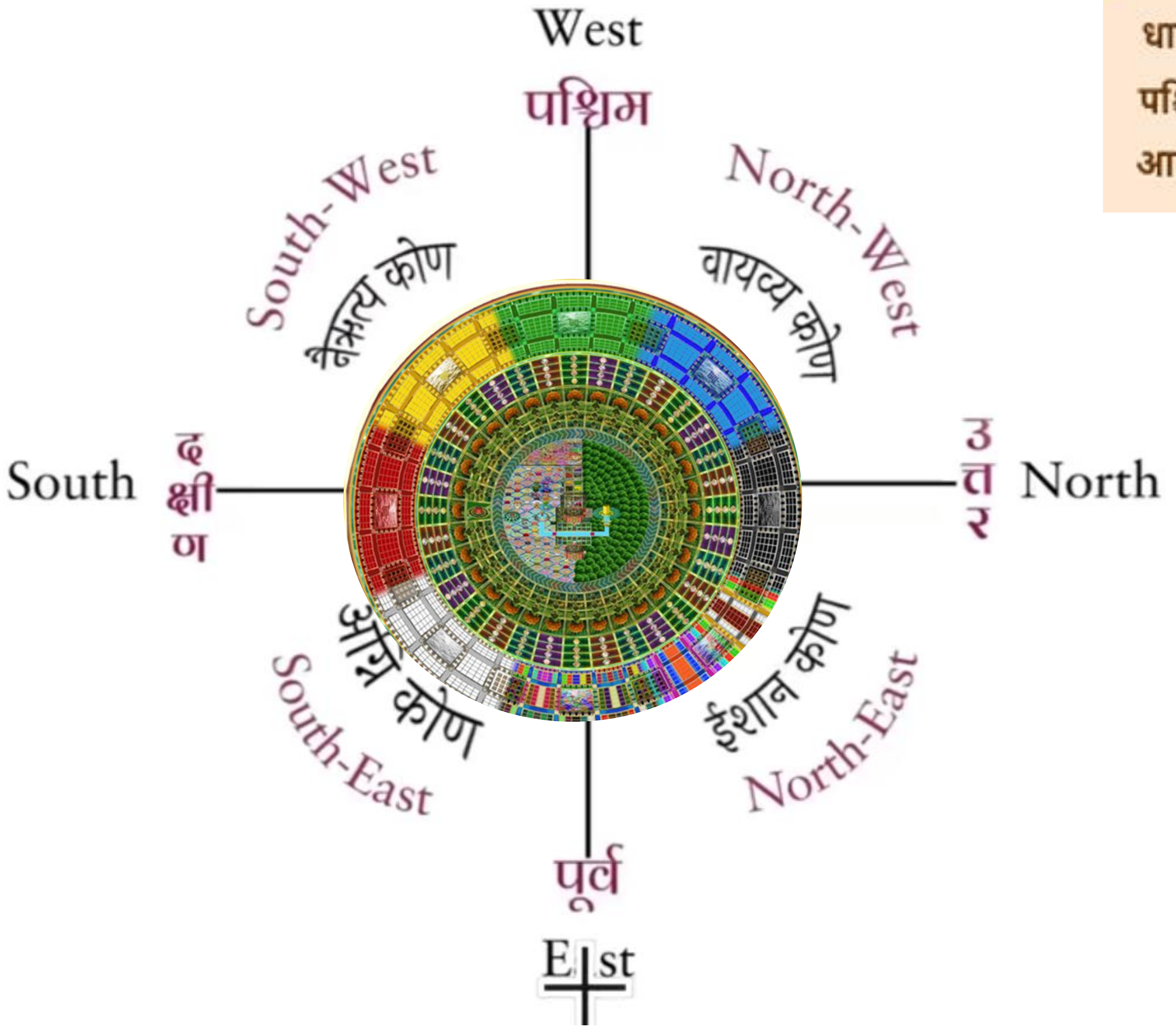

धाम तालाब कुंजवन सोहे, मानिक नेहरें वन की जोहे।
पश्चिम चौगान बड़ोवन कहिए, पुखराजी जमुना जी लहिए।
आठों सागर आठ जिमी ये, पच्चीस पक्ष हैं धाम धनी के।।

नूर नीर खीर दधि सागर , घृत मधु इक ठौर ।
रस सर्वरस सागर , बिन मोमिन ना पावे और ।।

श्री धाम की आठ प्रहर की लीला

विडिओ : https://youtu.be/iMIRfn6aSfQ?si=7FgWjM8LmK9BStJC

टाइम	कृष्ण पक्ष – लीला	लीला
6:00AM – 9:00AM	तीसरी भोम	1. **दर्शन लीला**: श्री राजजी-श्यामजी-सखिया रंग परवाली मंदिर थी त्रीजी भोमनी पडसाल मां आवी पशु पंखईओ दर्शन 2. **सिंगार लीला**: श्री राजजी (देहलान) –श्यामजी (आसमानी मंदिर) -सखिया (मंदिर) 3. **मिलन लीला**: चबूतरा राजजी एण्ड श्यामजी चन्दन & सिंदूर 4. **बाल भोग लीला** : चबूतरा 5. **निरत लीला**: जरोख नवरंगबाई 6. **वन लीला**: 5 जूथ फूल फल शाक **रसोई लीला**:– 1 जूथ लाड़बई 7. **अक्षरब्रह्म दर्शन लीला**: श्री राजजी ना दर्शन
9:00AM – 12:00PM	तीसरी भोम	8. **मिलन लीला:** श्री राजजी-श्यामजी-सखिया साथे मीठी वर्तलाभ 9. **पान बीड़ी लीला**: सखिया पान बीड़ी & नीला पीला मंदिरमा मूके 10. **राजभोग लीला:** श्री राजजी-श्यामजी पडसाल, सखिया - 1st भोम रसोई हवेली 11. **पान बीड़ी आरोगन लीला**
12:00PM – 3:00PM	तीसरी भोम	12. **पोढ़वानी लीला**: श्री राजजी-श्यामजी नीला पीला मंदिरमा पोढ़वानी 13. **वन लीला:** सखिया वन , रंगमोहल जूथमा आनंद
3:00PM – 6:00PM	तीसरी भोम सात परिक्रमाएँ	14. **सुखपाल:** तीसरी भोम पडसाल वन /परमधाम प्रस्थान 15. **वन लीला:** वन /परमधाम पक्षों मां लीला
6:00PM – 9:00PM	पहेली भोम चोंठी भोम सात परिक्रमाएँ	16. **संध्या भोग लीला:** शुकल पक्ष – वन भोजन कृष्ण पक्ष – चदानी चोक लीला , 1st भोम रसोई हवेली पूनम : रंगमोहल 10th भोम चादनी 17. **निरत लीला:** 4th भोम निरत हवेली
9:00PM – 12:00AM	पाचमी भोम दसमी भोम	18. **पोढ़वानी लीला:** रंग परवाली मंदिर मां पोढ़वानी 19. **पूनम चादनीलीला:** रंगमोहल 10th भोम चादनी
12:00AM – 6:00PM	पाचमी भोम	20. **पोढ़वानी लीला:** रंग परवाली मंदिर मां पोढ़वानी

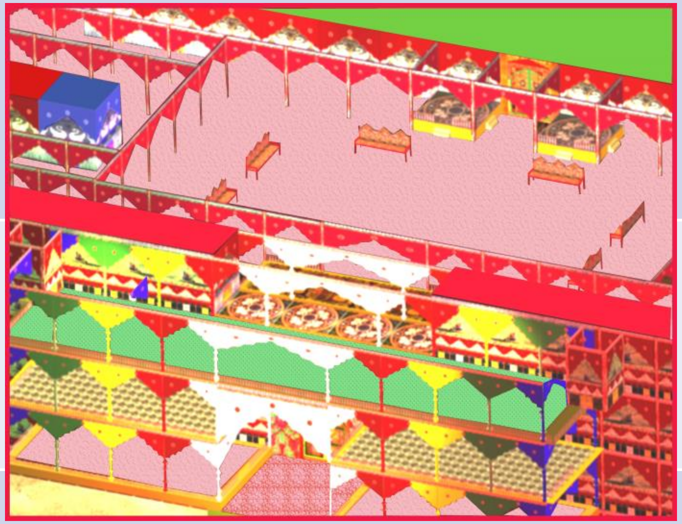
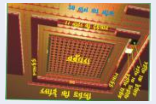
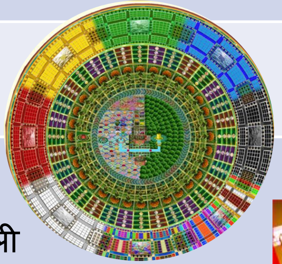

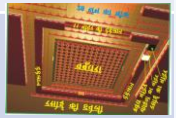

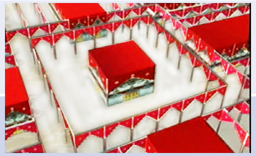

श्री धाम की आठ प्रहर की लीला

विडिओ : https://youtu.be/iMIRfn6aSfQ?si=7FgWjM8LmK9BStJC

6:00-6:45 શ્રી રાજજી-શ્યામજી-સખીઓ ઉઠીને રંગ પરવાલી મંદિરથી ત્રીજી ભોમની પડસાલમાં ઝરોખા પાર આવી દર્શન આપે છે. યમુનાજીમાં જીલણા, કુંજનીકુંજ, ફુલબાગ, નૂરબાગ, લાલ ચબુતરા. સિણગાર - રાજજીનો દહેલાનમાં અને શ્યામજીનો આસમાની મંદિરમાં.

6:45-7:30 ચબુતરા પર બાલભોગ. લાડબાઈ વિનંતી કરે છે. અનેકવિધ મેવા-મીઠાઈ અને પાન-બીડી.

7:30-9:00 ઝરૂખામાં નિરત (નૃત્ય) લીલા. નવરંગબાઇનું જૂથ. 35 જૂથ સખીઓ રાજજી પાસે. 5 જૂથ સખીઓ શાક પાન લેવા, રસોઈ બનાવવા જાય. અક્ષરબ્રહ્મ – મહાલક્ષ્મી એમની સેના સહીત શ્રી રાજીના દર્શને આવે.

9:00-10:30 ઝરૂખામાં. સખીઓ સાથે મીઠી વાતો. પાન-બીડી વાળવા - દીવાલની પાસે.

10:30-11:15 પાન-બીડી નીલા-પીલા મંદિરમાં મૂકે. રાજજી પાસે બધી સખીઓ આવીને વાતો કરે.

11:15-12:00 લાડબાઈ રાજભોગની અરજ કરે. ભોજન કરતા રાજજી જ્યારે પાણી પીવે ત્યારે લાડબાઈ દૂધ-દહીં ની કટોરી લાવી આપે. રાજજી પાન-બીડી આરોગતા બધી સખીઓને પણ વહેંચે.

12:00-3:00 રાજજી-શ્યામજી નીલા-પીલા મંદિરમાં આરામ કરે. સખીઓ વનમાં વિહાર કરે.

3:00-5:15 सुखपालमा બેસીને વન વિહાર કરવા જાય.

5:15-6:00 ઝીલણા - સિણગાર.

6:00-7:30 શુક્લ પક્ષ - વન ભોજન. કૃષ્ણ પક્ષ - ચાંદની ચોક લીલા, રસોઈની હવેલીમાં ભોજન.

7:30-9:00 ચોથી ભોમમાં નિરત હવેલીમાં નિરત (નૃત્ય) લીલા. નવરંગબાઇનું જૂથ.

9:00-12:00 ફક્ત પૂનમ ની રાતે - રંગમહેલની ચાંદની પર લીલા.

9:00-6:00 રંગ પરવાલી મંદિરમાં શયનલીલા.

श्री धाम की आठ प्रहर की लीला

विडिओ : https://youtu.be/iMIRfn6aSfQ?si=7FgWjM8LmK9BStJC

सुद - शुक्ल पक्ष उजाला पक्ष

तिथि	तिथि के अनुसार अखंड परमधाम में हमारा लीला-स्थान	श्री राज-श्यामाजी तथा हम सब सखियां सुखपाल में कहां उतरते है ?
प्रथमा	नूर सागर	छोटी रांग के सामने महा हवेली के चांदनी चौक में
द्वितीया	नीर सागर	उत्तर दिशा के चांदनी चौक में
तृतिया	क्षीर सागर	उत्तर दिशा के चांदनी चौक में
चतुर्थी	दधी सागर	पूर्व दिशा के चांदनी चौक में
पंचमी	धृत सागर	दक्षिण दिशा के चांदनी चौक में
छठ	मधु सागर	दक्षिण दिशा के चांदनी चौक में
सप्तमी	रस सागर	पश्चिम दिशा के चांदनी चौक में
अष्टमी	सर्वरस सागर	टापु महोल की चांदनी पर
नवमी	छोटी रांग की चार हार हवेली	पूर्व की चांदनी पर (उत्तर की ओर)
दसमी	वन की नहरें	वन की नहरों की पाल पर
एकादशी	माणेक पहाड	महानद की पाल पर
द्वादशी	झवेरों की नहरें	चौसठ पहल के महोल की चांदनी पर
त्रयोदशी	चौबीस हांस का महल	एक भोम ऊंचे चबूतरे पर
चतुर्दशी	हौज कौसर ताल	पश्चिम की ओर वन की रौंस पर
अमावस्या	रंग महोल की आकाशी	चांदनी में 10 मंदिर देहलान के आगे

वद - कृष्ण पक्ष ·· अंधेरा पक्ष

तिथि	तिथि के अनुसार अखंड परमधाममें हमारा लीला-स्थान	श्री राज-श्यामाजी तथा हम सब सखियां सुखपाल में कहां उतरते है ?
प्रथमा	पाटघाट	पाटघाट के ऊपर
द्वितीया	बटपूल	250 मंदिर की पाल पर
तृतिया	बटपीपलकी चौकी, कुंज-निकुंज	बट पीपल की चांदनी के ऊपर
चतुर्थी	फूलबाग-नूरबाग	नूरबाग की चांदनी के ऊपर
पंचमी	पश्चिम चौगान	पश्चिम चौगान (मैदान) में
छठ	लाल चबूतरा	रंग महोल के उत्तर में चबूतरे की रौंस पर
सप्तमी	बड़ोवन, मधुबन, महावन	बड़ोवन, महावन की चांदनी पर
अष्टमी	पुखराज की तलहटी	जमीन से कमर तक ऊंची 400 कोस की रौंस पर
नवमी	हजार हांस की चांदनी	हजार हांस की चांदनी की बाहर की रौंस पर
दसमी	पुखराज का आकाशी महल	चांदनी में एक भोम ऊंचे चबूतरे पर
एकादशी	पुखराजी ताल	पुखराजी ताल की बाहर की रौंस पर
द्वादशी	बंगलाजी	बंगलाजी की बाहर की 400 कोस चौड़ी रौंस पर
त्रयोदशी	अधबीच का कुंड	खास महोल के बाहर की 75 हांस की रौंस पर
चतुर्दशी	ढपो चबूतरा, मूलकुंड	चांदनी के ऊपर
अमावस्या	केलपुल	बन की रौंस पर

श्री धाम की आठ प्रहर की लीला – 1st to 3rd प्रहर

तीसरी भोम

श्री धाम की आठ प्रहर की लीला - तीसरी भोम

विडिओ : https://youtu.be/iMIRfn6aSfQ?si=7FgWjM8LmK9BStJC

टाइम	कृष्ण पक्ष – लीला	लीला
6:00AM – 9:00AM	तीसरी भोम	1. **दर्शन लीला:** श्री राजजी-श्यामजी-सखिया रंग परवाली मंदिर थी त्रीजी भोमनी पडसाल मां आवी पशु पंखईओ दर्शन 2. **सिंगार लीला:** श्री राजजी (देहलान) –श्यामजी (आसमानी मंदिर) - सखिया (मंदिर) 3. **मिलन लीला:** चबूतरा राजजी एण्ड श्यामजी चन्दन & सिंदूर 4. **बाल भोग लीला** : चबूतरा 5. **निरत लीला:** जरोख नवरंगबाई 6. **वन लीला:** 5 जूथ फूल फल शाक **रसोई लीला:–** 1 जूथ लाड़बई 7. **अक्षरब्रह्म दर्शन लीला:** श्री राजजी ना दर्शन
9:00AM – 12:00PM	तीसरी भोम	8. **मिलन लीला:** श्री राजजी-श्यामजी-सखिया साथे मीठी वर्तलाभ 9. **पान बीड़ी लीला:** सखिया पान बीड़ी & नीला पीला मंदिरमा मूके 10. **राजभोग लीला:** श्री राजजी-श्यामजी पडसाल, सखिया - 1st भोम रसोई हवेली 11. **पान बीड़ी आरोगन लीला**
12:00PM – 3:00PM	तीसरी भोम	12. **पोढ़वानी लीला:** श्री राजजी-श्यामजी नीला पीला मंदिरमा पोढ़वानी 13. **वन लीला:** सखिया वन , रंगमोहल जूथमा आनंद
3:00PM – 6:00PM	तीसरी भोम	14. **सुखपाल** : तीसरी भोम पडसाल वन /परमधाम प्रस्थान

श्री धाम की आठ प्रहर की लीला -
तीसरी भोम

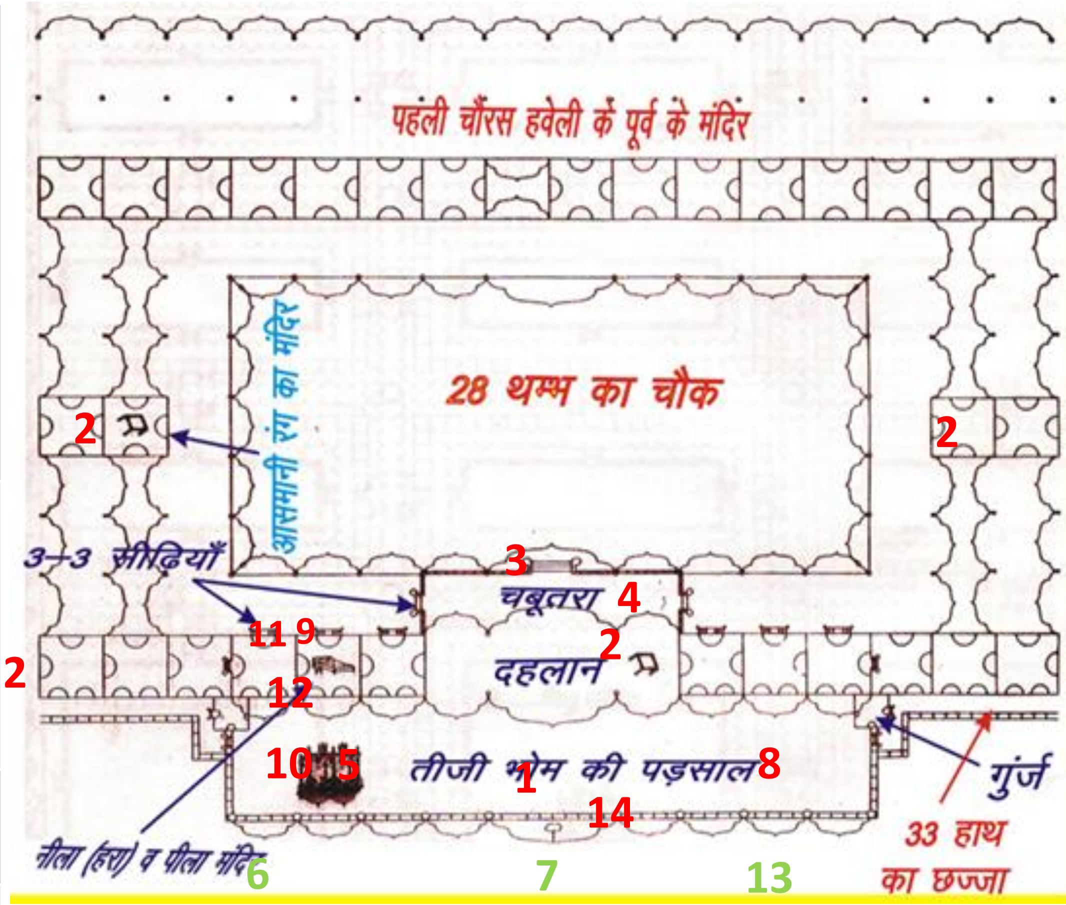

श्री धाम की आठ प्रहर की लीला - तीसरी भोम

विडिओ : https://youtu.be/iMIRfn6aSfQ?si=7FgWjM8LmK9BStJC

तीजी भोम की जो पड़साल, ठौर बड़े दरवाजे विशाल।
धनी आवत हैं उठ प्रात, बन सींचत अमृत अघात।।१।।
पसु पंखी का मुजरा लेवें, सुख नजरों सबों को देवें।

6:00 AM-6:45 AM

श्री धाम की आठ प्रहर की लीला - तीसरी भोम

विडिओ : https://youtu.be/iMIRfn6aSfQ?si=7FgWjM8LmK9BStJC

पीछे बैठि करें सिनगार, सखियां करावें मनुहार।।२।।
श्री श्यामा जी मन्दिर और, रंग आसमानी है वा ठौर।
चार चार सखिया सिनगार करावें,

6:00 AM-6:45 AM

अर्श मिलावा ले चली , अपने संग सुभान ।
किया चाह्या सब दिल का , आगूं आए लिए मेहेरबान ।। सागर 6/129

6:00 AM-6:45 AM

श्यामाजी श्रीधानीजी के पासे आवें ।।३।।
सोभा क्यों कर कहूं या मुख, चित्त में लिए होत है सुख।
चित्त दे दे समारत सेंथी, हेत कर कर बेनी गूंथी।।४।।
मिनों मिने सिनगार करावें, एक दूजी को भूखन पेहेरावें।
साथ सिनगार करके आवें, जैसा धनी जी के मन भावें।।५।।
सैयां लटकतियां करें चाल, ज्यों धनी मन होत रसाल।
सैयां आवत बोलें वाणी, संग एक दूजी पे स्यानी।।६।।
सैयां आवत करें झनकार, पाए भूखन भोम ठमकार।
झलकतियां रे मलपतियां, रंग रस में चैन करतियां।।७।।
कण्ठ कण्ठ में बांहों धरतियां, चित्त एक दूजी को हरतियां।
सुंदरियां रे सोभतियां, एक दूजी को हांस हंसतियां।।८।।
कई फलंग दे उछलतियां, कई फूल लता जो फेरतियां।
कई हलके हलके हालतियां, कई मालतियां मचकतियां।।९।।
कई आवत हैं ठेलतियां, जुत्थ जल लेहेरां ज्यों लेवतियां।
कई आवें भमरी फिरतियां, एक दूजी पर गिरतियां।।१०।।
कई सीधियां सलकतियां, कई विध आवें जो चलतियां।
सखी एक दूजी के आगे, आए आए के चरनों लागे।।११।।
इत बड़ा मिलावा होई, जुदी रहे न या समें कोई।

विडिओ : https://youtu.be/iMIRfn6aSfQ?si=7FgWjM8LmK9BStJC

इत बड़ा मिलावा होई, जुदी रहे न या समें कोई।
कोई छज्जों कोई जालिएं, कोई मोहोलों कोई मालिएं।।१२।।
इत चार घड़ी लों श्री राज बैठे, मेवा मिठाई आरोग के उठे।।

6:45 AM- 7:30 AM

विडिओ : https://youtu.be/iMIRfn6aSfQ?si=7FgWjM8LmK9BStJC

दाहिनी तरफ दूजा जो मन्दिर, आए बैठे ताके अन्दर ।।१।।
नीला ने पीला रंग, ताकी उठत कई तरंग।
दोऊ रंगों की उठत झांई, इन मन्दिरों दिवालों के तांई ।।२।।
पैठते दाहिने हाथ जो जांहीं, सेज्या है या मन्दिर मांहीं।

विडिओ : https://youtu.be/iMIRfn6aSfQ?si=7FgWjM8LmK9BStJC

कई जिनस जड़ाव सिंघासन, राज श्यामा जी के दोऊ आसन।।३।।
झरोखे को पीठ देवें, बैठे द्वार सनमुख लेवें।
संग सखियां केतिक विराजें, या समय श्री मंडल बाजे।।४।।
नवरंग बाई जो बजावे, मुख वानी रसीली गावे।
इत बाजत बेन रसाल, बेनबाई गावे गुण लाल।।५।।
सखी एक निकसे एक पैठे, एक आवे उठे एक बैठे।

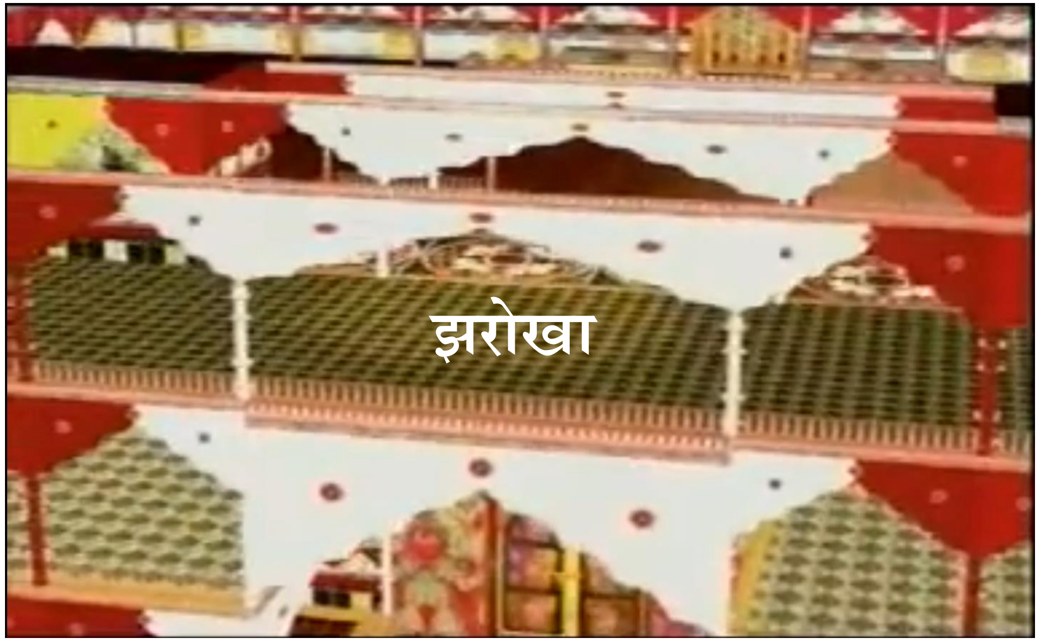

7:30 AM – 9:00 AM

श्री धाम की आठ प्रहर की लीला - तीसरी भोम

विडिओ : https://youtu.be/iMIRfn6aSfQ?si=7FgWjM8LmK9BStJC

इन समें भगवान जी इत, दरसन को आवें नित।।६।।
झरोखे सामी नजर करें, प्रणाम करके पीछे फिरें।
इत और न दूजा कोए, स्वरूप एक है लीला दोए।।७।।

7:30 AM – 9:00 AM

श्री धाम की आठ प्रहर की लीला - तीसरी भोम

विडिओ : https://youtu.be/iMIRfn6aSfQ?si=7FgWjM8LmK9BStJC

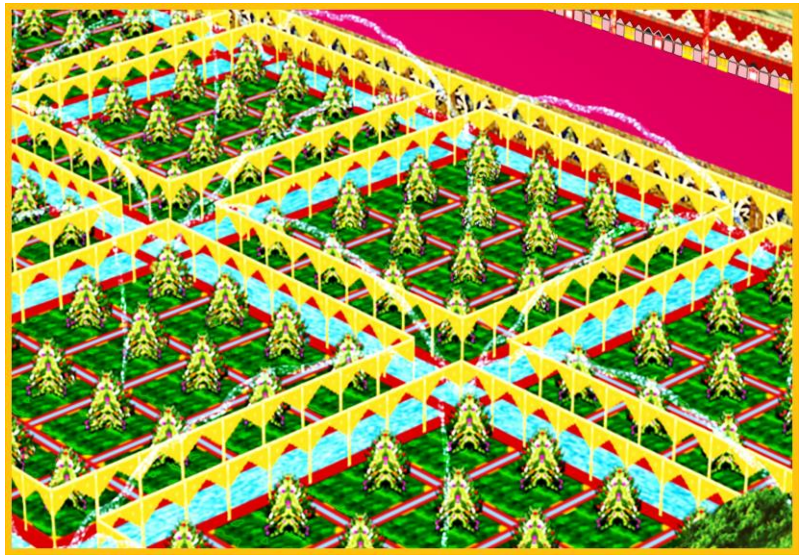

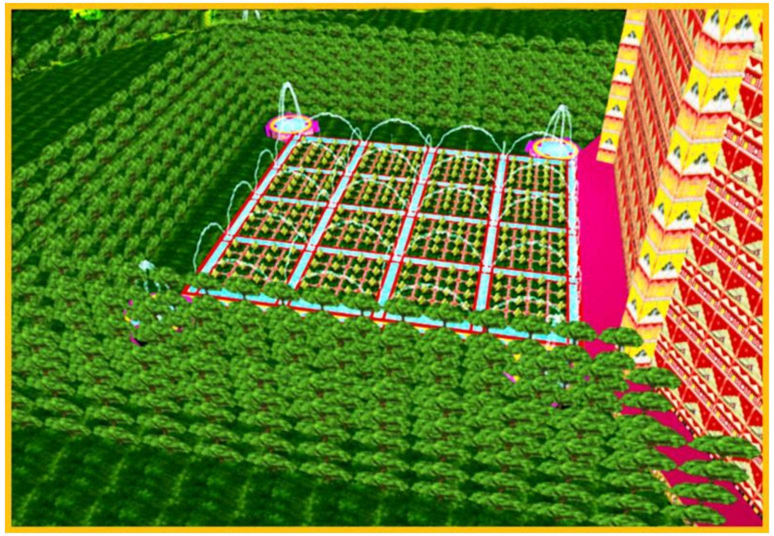

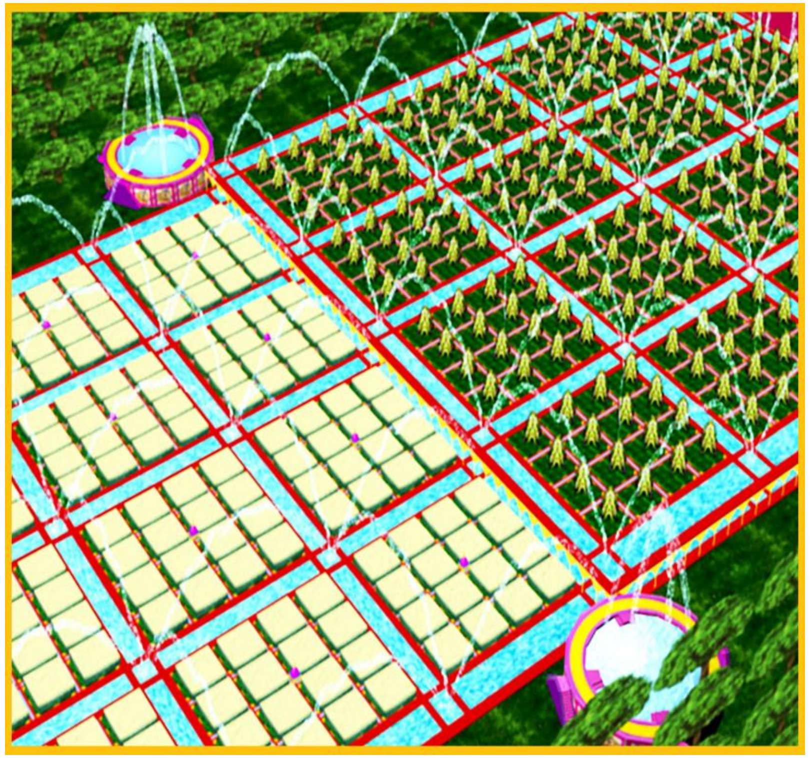

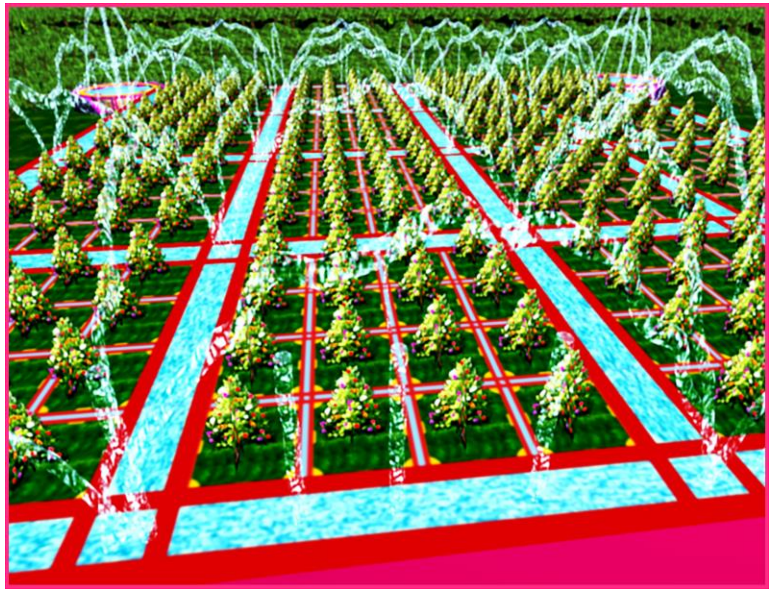

सखियाँ केतिक बन में जावें, साक पान मेवा सब ल्यावें।
घड़ी चार खेल तित करें, दिन पोहोर चढ़ते आवें घरें।।१।।
ए सब इच्छा सों मंगावें, पर सखियों को सेवा भावे।
सैंया सेवा करन बेल ल्यावें, लेवें एक दूजी पे छिनावें।।२।।

7:30 AM – 9:00 AM

श्री धाम की आठ प्रहर की लीला - तीसरी भोम

विडिओ : https://youtu.be/iMIRfn6aSfQ?si=7FgWjM8LmK9BStJC

निकसते दाहिनी तरफ जो ठौर, सैयां आए बैठें चढ़ते दिन पोहोर।
मिलावा होत दिवालों के आगे, सैयां पान बीड़ी वालने लागे।।३।।
मसाला समार समार के लेवें, सखी एक दूजी को देवें।
डेढ़ पोहोर चढ़ते दिन, बीड़ी वाली सैयां सबन।।४।।
बीड़ियों की छाब लेकर, धरी पलंग तले चौकी पर।
श्री राज बैठे बातां करें, श्री श्यामा जी चित्त धरें।।५।।
सैयां परस्पर करें हांस, लेवें धनी जी को विविध विलास।

9:00 AM – 11:15 AM

श्री धाम की आठ प्रहर की लीला - तीसरी भोम

विडिओ : https://youtu.be/iMIRfn6aSfQ?si=7FgWjM8LmK9BStJC

11:15AM – 12:00PM

सैयां परस्पर करें हांस, लेवें धनी जी को विविध विलास।
घड़ी दो एक तापर भई, लाड़बाई आए यों कही।।६।।
श्री धनी जी की आज्ञा पाऊं, तो या समें रसोई ले आऊं।
श्री धनी जी ने आज्ञा करी, सैयां चौकी आन आगे धरी।।७।

सैंया दौड़ दौड़ के जावें, आरोगने की वस्तां ल्यावें।
मेवा अंन ने साक मिठाई, कई विध सामग्री ले आई।।१०।।
एक ले चली साक कटोरी, तापे छीन ले चली दूसरी।
तिनथें झोंट ले चली तीसरी, चौथी वापे भी ले दौरी।।११।।
जो कदी छीन लेत हैं जिनपे, पर रोस न काहूं किनपे।
इत थें जो फिर कर गैयां, तिन और कटोरी जाए लैयां।।१२।।
यों एक एक पे लेवें, हेत एक दूजी को देवें।
सब मन्दिर करें झनकार, स्वर उठत मधुर मनुहार।।१३।।
सैयां दौड़त हैं साम सामी, सब्द रह्यो सबों ठौर जामी।
कई स्वर उठत भूखन, पड़छंदे परें स्वर तिन।।१४।।
कई बिध उठत मीठी बानी, मुख बरनी न जाए बखानी।
इन समें की जो आवाज, सोभा धाम में रही विराज।।१५।।
दूध दधी ल्याई लाड़बाई, सो तो लिए मन के भाई।
सब खेलें हाँसी करें, आए आए धनी जी के आगे धरें।।१६।।

श्री धाम की आठ प्रहर की लीला - तीसरी भोम

विडिओ : https://youtu.be/iMIRfn6aSfQ?si=7FgWjM8LmK9BStJC

सैयां तले आरोगने गैयां, आरोग आए पान बीड़ी लैयां ।।१६।।
सेज्या आए श्री जुगल किशोर, तब दिन हुआ दो पोहोर ।।२०।।

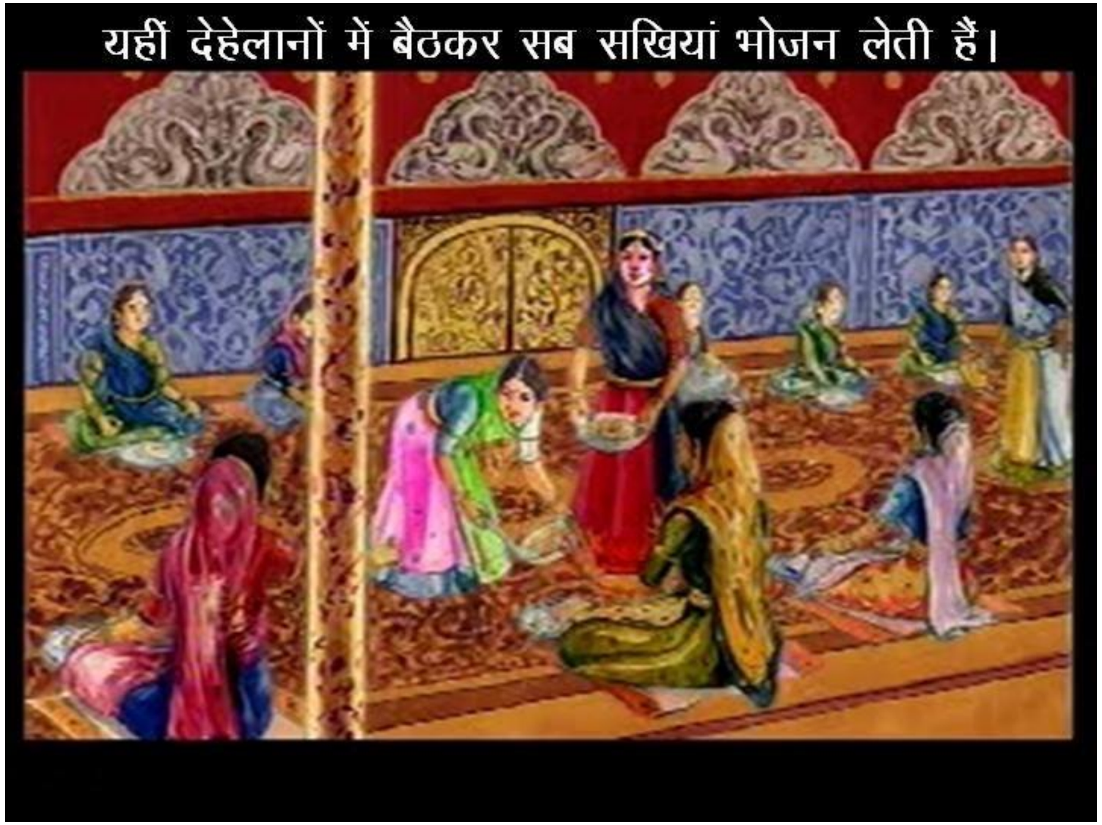

11:15AM – 12:00PM

श्री धाम की आठ प्रहर की लीला - तीसरी भोम

विडिओ : https://youtu.be/iMIRfn6aSfQ?si=7FgWjM8LmK9BStJC

12:00PM – 3:00PM

सेज्या आए श्री जुगल किशोर, तब दिन हुआ दो पोहोर।।२०।।

सिनगार करें देहलान में, आरोगें और मन्दिर।

इतही दीदार नूर को, दिन पौढ़ें पलंग अन्दर।।

The image part with relationship ID rId2 was not found in the file.

श्री धाम की आठ प्रहर की लीला – 4th to 8th प्रहर

रंगमहल बाहर नी लीला , रंगमहल अंदर नी लीला

श्री धाम की आठ प्रहर की लीला – वन & रंगमोहल

विडिओ : https://youtu.be/iMIRfn6aSfQ?si=7FgWjM8LmK9BStJC

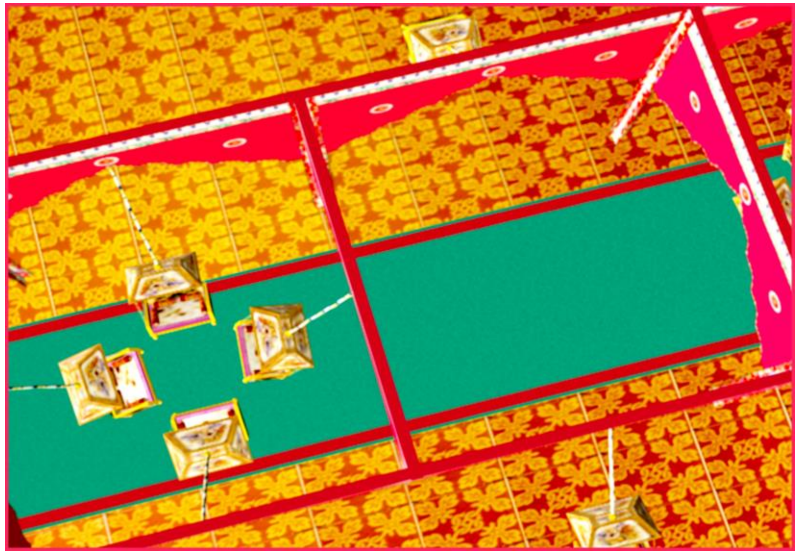

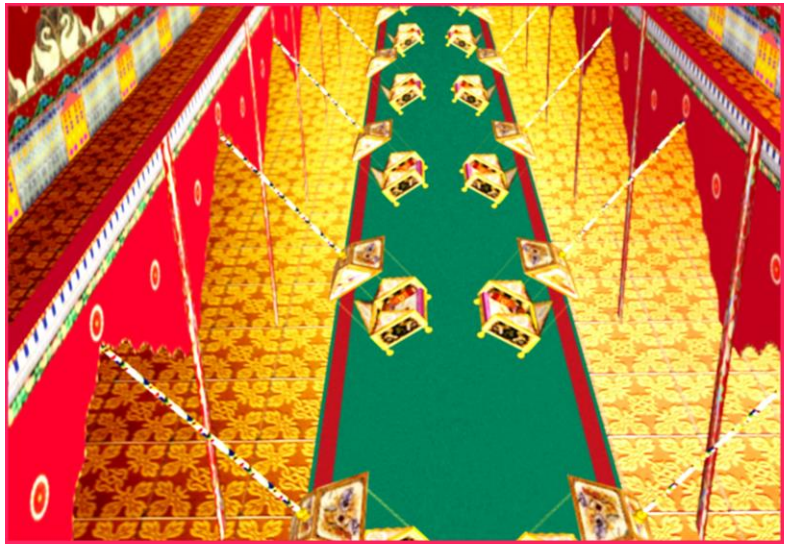

कई बैठत छज्जों जाए, बैठें अंगसों अंग मिलाए।
मुख बानी सों हेत उपजावें, एक दूजी को प्रेम बढ़ावें।।१२२।।
कई बैठत जाए हिंडोले, अनेक करत कलोलें। कई बैठत जाए पलंगे, बातां करत मिनों मिने रंगें।।१२६।।

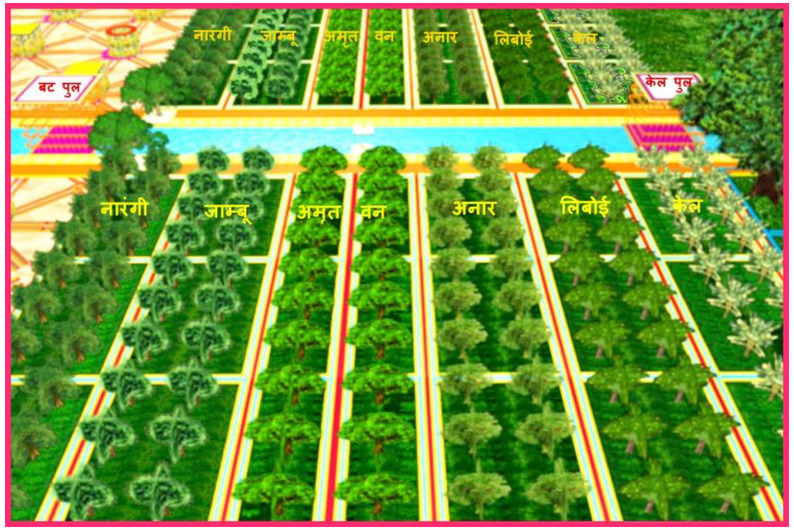

12:00PM – 3:00PM

विडिओ : https://youtu.be/iMIRfn6aSfQ?si=7FgWjM8LmK9BStJC

सुखपाल

कोई बैठे सुखपाल में, कोई दौड़े उचाए।
जलेब आगे जोर चले, ए खेल यों खेलाए।।२३।।
तीसरी भोम मोहोल सिनगार, और बैठ के आरोग पौढ़न रे।
सुखपाल बैठ बन सिधावते, कौन केहेसी पीछला पोहोर दिन रे।।७८।।

3:00PM to 6:00PM

श्री धाम की आठ प्रहर की लीला – परमधाम सात परिक्रमा

विडिओ : https://youtu.be/iMIRfn6aSfQ?si=7FgWjM8LmK9BStJC

सुखपाल बैठ बन सिधावते, कौन केहेसी पीछला पोहोर दिन रे।।७८।।

3:00PM to 6:00PM

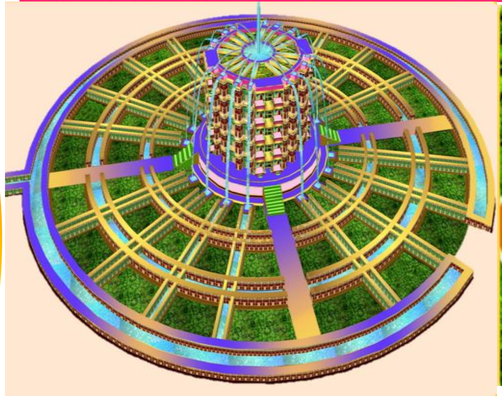

श्री धाम की आठ प्रहर की लीला – जमुनजी , चदानी चोक, 1st भोम रसोई हवेली

विडिओ : https://youtu.be/iMIRfn6aSfQ?si=7FgWjM8LmK9BStJC

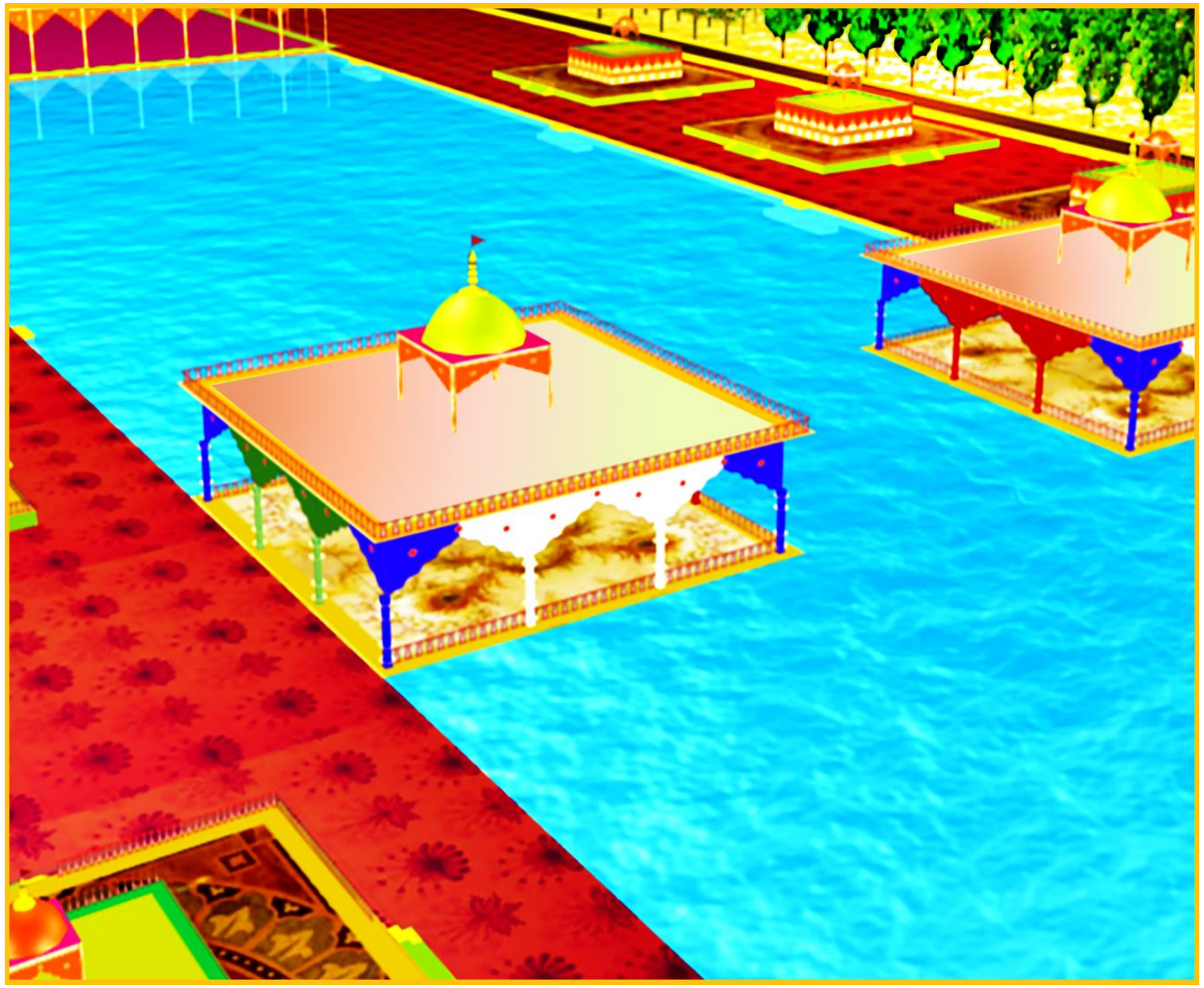

3:00PM to 6:00PM

श्री धाम की आठ प्रहर की लीला – चोथी भोम निरत लीला

विडिओ : https://youtu.be/iMIRfn6aSfQ?si=7FgWjM8LmK9BStJC

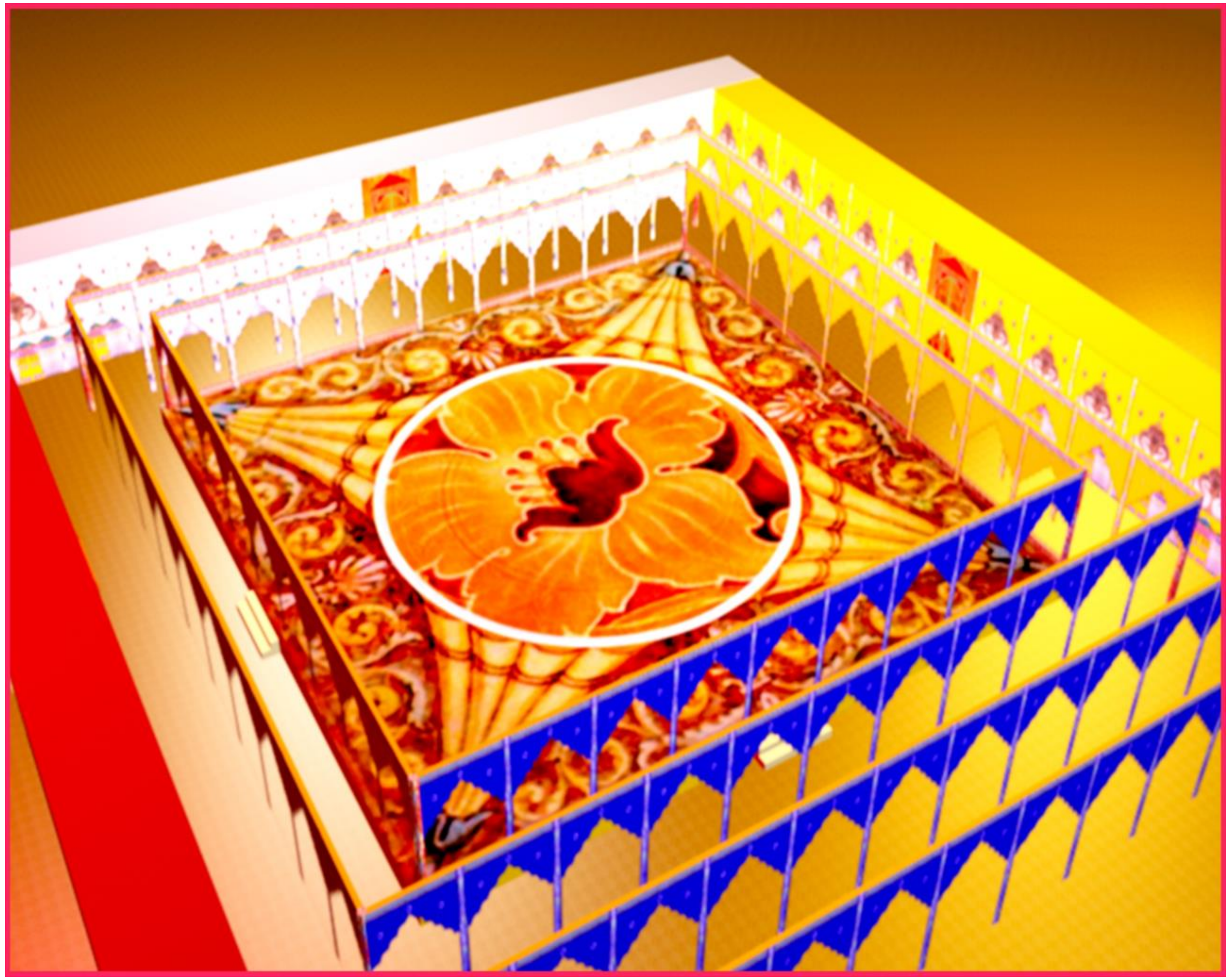

बनथें आए सिनगार कर, संझा तले भोम मन्दिर।
आरोग चढ़े भोम चौथी, खेलें नवरंगबाई की जुत्थी।।१४१।।
चौथी भोम सुख निरत के, कौन देवे कर हेत।
ए सुख अर्स के इन जिमी, हक हमको विध विध देत।।११।।
निरत होत चौथी भोम में, जित मोहोल बन्यो विसाल।
चौक मध्य अति सुन्दर, क्यों कहूं मंदिर द्वार।।४३।।

6:00PM – 9:00PM

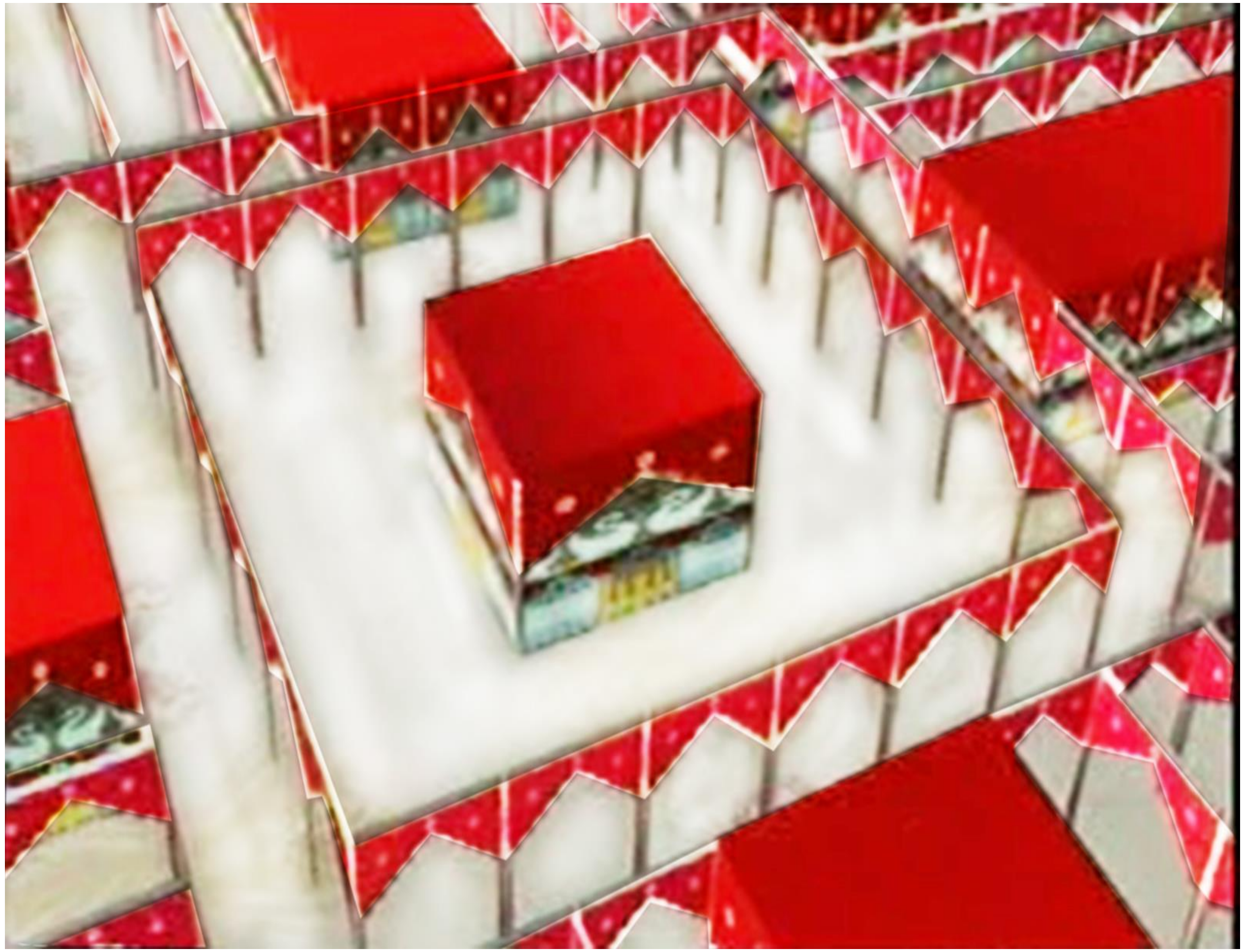

चौथी निरत की बरनन होत है, पैठे पौंढ़न पांचमी में।
फेर छठी सुखपाल की, हिंडोले झूलें सातमी ऐ।।५९।।

इत हुई पोहोर एक रात, सुखपाल चलावें चित चाहत।
घरों आए सुखपाल सारे, राजस्यामा जी पांचमी भोम पधारे।।१३९।।

9:00PM to 6:00AM

विडिओ : https://youtu.be/iMIRfn6aSfQ?si=7FgWjM8LmK9BStJC

OR